

प्रश्न → जौगिश्वर के मुख्य मन्दिर के भीतर किस राजा की मूर्ति है
दीपचंद

रुद्रचंद : रुद्रचंद, बाली कल्पाणा-चन्द का उत्तराधिकारी था। उसका शासन काल 1565 से 1597 के अध्ययन मिलता है। रुद्रचंद मुगल सम्राट अकबर का समकालीन था। रुद्रचंद ने तराई पर अपना उपाधिकार करके रुद्रपुर नगर की स्थापना की। रुद्रचंद ने नेघे सिरे से आमाजिक व्यवस्था स्थापित की। इसके लिए उसने धर्म-निर्णय पुस्तक लिखवायी। आइने-ज़क्खली में कुमाऊ सरकार की दिल्ली सुव्हाको उन्नतर्गत वर्धाया गया। पुरुष पन्न रुद्रचंद का प्रसिद्ध सेनापति था जो अफ़्पिंडर धारी के बधाणगढ़ मुद्द में मार गया।

ल०८/

कल्पाणा-चन्द :

प्रश्न - किस वर्ष भारतीय सर्वेक्षण विभाग का मुख्यालय बेगाल से देहरादून स्थानान्तरित किया गया।

- 1942

भारतीय सर्वेक्षण विभाग की स्थापना 1767 में बेगाल में भूमि कर लेपा अन्य सर्वेक्षण के लिए की गयी थी। सन् 1942 में द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान इसे देहरादून में स्थानान्तरित किया गया। यह देश में प्रत्येक प्रकार के ग्रू-सर्वेक्षण और भानप्ति बनाने वाला एक मात्र अभिकरण है। इसके मध्यसर्वेक्षक रखरेस्ट ने 1852 में विश्व की सबसे ऊँची चोटी का प्रेषण कर उसकी ऊँचाई 29002 फीट घोषित की थी। अतः ऊँची के नाम पर इस चोटी का नाम रखरेस्ट रखा गया।

भारत का प्रथम डाक-टिकट इसी विभाग ने 1854 में

जाये किया।

प्र२न → जगेश्वर के मुख्य मन्दिर के भीतर किस राजा की मूर्ति है
वीपचंद

रुद्रचंद : रुद्रचंद, बालो कल्पाणा-चन्द का उत्तराधिकारी था।
उसका ज्ञातन काल 1565 से 1597 के अध्ययन मिलता है।
रुद्रचंद मुगल सम्राट अकबर का समकालीन था। रुद्रचंद
ने तराई पर अपना अधिकार करके रुद्रपुर नगर की स्थापना
की। रुद्रचंद ने नेहे सिरे से सामाजिक व्यवस्था स्थापित की
इसके लिए उसने धर्म-निर्णय पुस्तक लिखवायी। आइने-अकबर
में कुंभाऊ सरकार की दिल्ली सुव्हा के अन्तर्गत वर्धाया गया
पुरुष पन्न रुद्रचंद का प्रसिद्ध शेनापति था जो बजपिंडर
धारी के बधाणगढ़ मुद्द में मार गया।

५८

कल्पाणा-चन्द :

प्र२न - किस वर्ष भारतीय सर्वेक्षण विभाग का मुख्यालय बंगाल से
देहरादून स्थानान्तरित किया गया

- 1942

भारतीय सर्वेक्षण विभाग की स्थापना 1767 में बंगाल में
भूमि कर तथा अन्य सर्वेक्षण के लिए की गयी थी। सन्
1942 में द्वितीय विश्व मुद्द के दौरान इसे देहरादून में
स्थानान्तरित किया गया। यह देश में प्रत्येक प्रकार के
भू-सर्वेक्षण और मानसिक बनाने वाला एक मात्र अभिकरण
है। इसके भाषा सर्वेक्षक रखरेस्ट ने 1852 में विश्व की
सबसे ऊँची चोटी का प्रेक्षण कर उसकी ऊँचाई 29002 फीट
दीखित की थी। उत्तर छाती के नाम पर इस चोटी का नाम
रखरेस्ट रखा गया।

भारत का प्रथम डाक-टिकट इसी विभाग ने 1854 में
जाये किया।